

蕭克詩稿



湖南文藝出版社

姜克诗稿

湖南文艺出版社

湘新登字002号

萧 克 诗 稿

萧 克 著

责任编辑：弘 征

◆

湖南文艺出版社出版、发行

(长沙市河西银盆南路67号)

湖南省新华书店经销 湖南省新华印刷二厂印刷

◆

1991年10月第1版第1次印刷

开本：850×1168 1/32 印张：4.625 插页：7

字数：98,000 印数：1—4,850

ISBN 7—5404—0777—8  
平装：I·622 定价：3.30元

ISBN 7—5404—0778—6  
精装：I·623 定价：5.30元



萧克，1908年生，湖南嘉禾人，曾就读于本县甲种师范。1926年投笔从戎，参加北伐战争、南昌起义、湘南暴动，长征中任红六军团军团长。几十年南征北战，建国后，长期主持军队的教育与训练工作，1955年授上将军衔。现为中顾委常委。他在数十年的戎马生涯中，一直以勤读书、善思索、不辍写作著称，被称为“中国的军人学者”。所著长篇小说《浴血罗霄》获第三届茅盾奖荣誉奖。



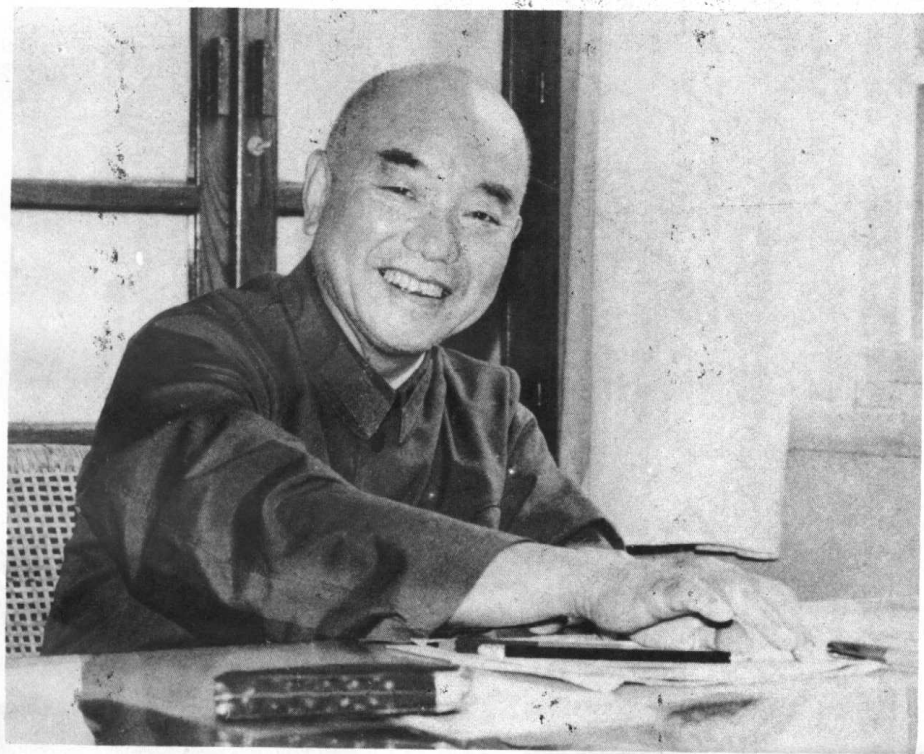


一九三六年秋于陕甘宁边区 斯诺摄



◀ 一九七一年九月廿七日于江西  
永修云山

▼ 一九八四年七月于北京



H1269/06

北渡金沙江

一九三六年四月下旬

金沙江北岸

渡江三月，雄峰晒，铁马西驰。

敌忙，烟火接，普渡水，红旗直指。

沙江，渡河渡，渡河渡，渡河渡。

喜跃狂，望至，龙新，麟甲，会师。

康龙即此，其疆。

# 目 次

|                   |    |
|-------------------|----|
| 孙中山北上 .....       | 1  |
| 岭南烈火 .....        | 2  |
| 过十八滩 .....        | 3  |
| 二期北伐 .....        | 5  |
| 咏铁军 .....         | 6  |
| 会昌大捷 .....        | 7  |
| 孤雁 .....          | 9  |
| 秋日感事 .....        | 10 |
| 登骑田岭 .....        | 12 |
| 突破镇石封锁线(二首) ..... | 13 |
| 声东击西 .....        | 14 |
| 大战将军山(二首) .....   | 15 |
| 北渡金沙江 .....       | 17 |
| “七七”后誓师抗敌 .....   | 19 |



|                  |    |
|------------------|----|
| 八路军上前线 .....     | 20 |
| 成城中学赞 .....      | 22 |
| 北渡拒马河 .....      | 23 |
| 百花山夜眺 .....      | 24 |
| 晋察冀游击战(二首) ..... | 25 |
| 叶赤战役 .....       | 26 |
| 攻克武汉 .....       | 27 |
| 衡宝大捷 .....       | 28 |
| 海南纪行 .....       | 29 |
| 参观儋县苏公书院 .....   | 30 |
| 天山远望 .....       | 32 |
| 山鸡 .....         | 33 |
| 汤源晤丁玲 .....      | 34 |
| 北大荒行 .....       | 35 |
| 回江西 .....        | 37 |
| 云山腊月吟(四首) .....  | 38 |
| 劈柴 .....         | 40 |
| 守岁 .....         | 41 |
| 咏井岗山 .....       | 42 |
| 望九岭忆往事(四首) ..... | 43 |
| 自制家具 .....       | 46 |
| 打草鞋(二首) .....    | 47 |
| 再登云山(二首) .....   | 48 |
| 思亲 .....         | 50 |
| 横岭即兴 .....       | 51 |

|                      |    |
|----------------------|----|
| 三登云山·····            | 52 |
| 有感·····              | 53 |
| 返京·····              | 54 |
| 西山喜讯·····            | 55 |
| 红山口·····             | 56 |
| 越黄海·····             | 57 |
| 登芝罘岛·····            | 58 |
| 随感·····              | 59 |
| 望棒槌山·····            | 60 |
| 棒槌山神话·····           | 61 |
| 谒华盛顿、杰弗逊、林肯纪念馆·····  | 64 |
| 回云山·····             | 65 |
| 访石井郑成功纪念馆·····       | 66 |
| 谒王尔琢墓·····           | 67 |
| 题赠郴州湘昆剧团·····        | 68 |
| 还乡吟·····             | 69 |
| 谒父母墓·····            | 70 |
| 海南橡胶王·····           | 71 |
| 游灵渠有感·····           | 74 |
| 登岳阳楼·····            | 75 |
| 题木黄会师纪念碑·····        | 76 |
| 读夏衍《纪念潘汉年同志》文有感····· | 77 |
| 悼立清·····             | 78 |
| 游古隆中·····            | 79 |
| 黄河书怀·····            | 80 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 游张家界·····     | 81  |
| 悼栗裕·····      | 82  |
| 怀谭震林·····     | 83  |
| 阅《王荆公年谱》····· | 85  |
| 怀蔡铁根·····     | 87  |
| 感怀·····       | 89  |
| 为河北民兵题词·····  | 90  |
| 树桩盆景·····     | 91  |
| 随感·····       | 92  |
| 岭南行·····      | 93  |
| 阅江楼怀希夷·····   | 94  |
| 登蛇口左炮台·····   | 96  |
| 守岁·····       | 97  |
| 再至太原·····     | 98  |
| 观赛马·····      | 99  |
| 百灵庙感怀·····    | 100 |
| 到昭和·····      | 102 |
| 偶遇君实与安石·····  | 104 |
| 重到同心城·····    | 105 |
| 乘皮筏·····      | 106 |
| 沙坡头·····      | 107 |
| 谒成陵·····      | 109 |
| 穿墙道士·····     | 110 |
| 齐鲁怀古·····     | 111 |
| 登泰山·····      | 112 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 忆昔 .....            | 113 |
| 品泸曲 .....           | 114 |
| 观护国岩铭 .....         | 115 |
| 饶国梁塑像 .....         | 116 |
| 过三峡 .....           | 117 |
| 彝陵怀古 .....          | 118 |
| 为长江江渝十一号题辞 .....    | 119 |
| 为湘南起义纪念碑题词后书感 ..... | 120 |
| 怀绍辉 .....           | 121 |
| 南昌起义六十周年 .....      | 122 |
| 夜过平泉城 .....         | 123 |
| 登赤峰博物馆塔楼远眺 .....    | 124 |
| 又到永新 .....          | 125 |
| 重上庐山 .....          | 126 |
| 嘉禾烈士纪念碑揭幕 .....     | 127 |
| 乡情 .....            | 128 |
| 有感 .....            | 129 |
| 三界尖 .....           | 130 |
| 游武赤壁 .....          | 132 |
| 游文赤壁 .....          | 133 |
| 感怀 .....            | 134 |
| 再谒列宁墓 .....         | 135 |
| 登镇朔楼 .....          | 136 |
| 为桦甸市小野花儿童画展题词 ..... | 137 |
| 酬耀邦同志 .....         | 138 |

有感.....139

后记 .....140

## 孙中山北上

一九二四年十一月下旬 嘉禾甲种师范

军阀作恶，远甚幽厉。<sup>①</sup>  
争城夺地，民生凋敝。  
北国深秋，风云变异。  
段冯相促，奉张言义。  
愿商国事，共谋大计。  
中山北上，大局所寄。

---

① 幽厉：指幽王姬宫涅（公元前781—前778）和厉王姬胡（公元前9世纪中期），是西周的两任暴君。



## 岭南烈火

一九二五年四月 嘉禾甲种师范

岭南山川，革命基地。  
三民五权，民心所系。  
劳工神圣，联俄反帝。  
打倒军阀，扬眉吐气。  
熊熊烈火，谁当其锐！

## 过十八滩

一九二六年一月 小北江

寒冬离学校，  
衣单川资少。  
从戎越五岭，  
直达老王庙。  
北江十八滩，  
滩滩如海啸。  
舟子焚纸烛，  
祈船平安到<sup>①</sup>。  
我坐船舱前，  
喜船飞似鸟。

---

① 作者自注：1925年冬，毕业考试刚进行一半，我便离开嘉禾前往广东参加国民革命军。越过五岭到坪石镇，东行30里至老王庙，前有一险滩名“十八滩”。艄公停船焚纸烛，杀鸡滴血河中，乞龙王保佑平安驶过，至今犹未能忘。

展翅搏浪花，  
但嫌滩犹小。  
未经沧海游，  
岂知水浩渺。  
羊城指顾间，  
请缨敢不早。